STATESMAN, Delhi, 12.6.2022
Page No. 8, Size:(13.11)cms X (13.85)cms.

NEWSFEED

GAIL celebrates 'Azadi ka Amrit Mahotsav'

As part of the 'Azadi ka Amrit Mahotsav' celebrations, GAIL (India) Limited participated in a mega plantation drive carried out by Central Public Sector Enterprises across the country. As a part of the programme, GAIL carried out plantation drives at its Pata and Vijaipur townships as well as other locations. As part of this, 2,500 were planted in Pata (UP) and 1,600 across Vijaipur township areas (MP). Shri Manoj Jain, CMD, GAIL and Shri Deepak Gupta, Director (Projects) were also present on the occasion at Virajpur. Plants were distributed to all employees across GAIL offices. The CPSEs are planting 75,000 saplings across locations such as their townships, residential colonies, offices, production units, etc as part of the AKAM drive.

DAINIK JAGRAN (JAGRAN CITY), Delhi, 12.6.2022
Page No. 2, Size:(12.74)cms X (6.48)cms.

गेल के थर्ड पार्टी सुरक्षा प्रस्ताव को सुपरटेक ने ठुकराया

कुदरत तिवारी● नोएडा

- नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी के सामने सुपरटेक प्रबंधन ने दिया प्रस्ताव पर जवाब
- कहा, जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश के बाद अब तक बैठकों में क्यों नहीं दिया गया प्रस्ताव

सेक्टर-93 ए स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के दोनों टावर (एपेक्स-सियान) को गिराने के लिए नोएडा प्राधिकरण में हाल हुई बैठक में गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने थर्ड पार्टी सुरक्षा आडिट कराने की मांग उठाई थी। उनका कहना था कि टावरों को गिराने में ज्वाइ विस्फोटक का प्रयोग किया जाएगा। ऐसे में सुरक्षा का दायरा भी बढ़ाना होगा। इसके लिए थर्ड पार्टी आडिट कराया जाए। हालांकि सुपरटेक प्रबंधन ने नोएडा प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी के सामने ही गेल को इसका जवाब दे दिया। यहीं नहीं गेल कंपनी थर्ड पार्टी सुरक्षा के लिए सुपरटेक से करीब 94 लाख रुपये की मांग की थी] जिसे सुपरटेक प्रबंधन ने सिरे से नकार दिया।

बता दें दोनों टावरों के पास से ही गेल की पाइपलाइन जा रही है। यदि विस्फोट के दौरान पाइनलाइन को कोई क्षति होती है तो नुकसान ज्वाल हो सकता है। उधर] अफ्रीकन कंपनी ने सुरक्षा मानकों को लेकर गेल को आश्वस्त किया। यहीं नहीं बैठक में सलाहकार कंपनी केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) ने सुपरटेक के समक्ष 72 लाख रुपये का भेजा प्रस्ताव दिया। दोनों ही मामलों में सुपरटेक प्रबंधन ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी के सामने ही दिया जवाब। कहा कि जब 31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने टावर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया। तकनीकी परीक्षण की जिम्मेदारी सीबीआरआर को दी।

उसके बाद तमाम बैठकों को दौर हुआ,उस समय यह प्रस्ताव क्यों नहीं दिया गया। वही गेल ने भी आज तक कोई प्रस्ताव नहीं दिया। वह आडिट बाहर से कराना चाहते है। क्या इनके यहां पर यह कार्य करने के लिए विशेषज्ञ मौजूद नहीं है। टावर का ध्वस्तीकरण 22 मई को होना था, लेकिन तैयारी पूरी नहीं के कारण सुप्रीम कोर्ट से ध्वस्तीकरण की तिथि बढ़ाई गई है। अब इस प्रकार से पैसों के लिए सुपरटेक प्रबंधन पर दबाव बनाना उचित नहीं है।

दोनों टावरों को बाहर की ओर से जियो टेक्सटाइल फाइबर से ढका जा रहा है। उन फ्लोर के बाहर रैपिंग की जा रही है] जिसमें विस्फोटकों को लगाया जा रहा है। इसकी शुरुआत एटीएस की ओर वाले टावर से की गई है। इसका काम पूरा होने के बाद पूरी इमारत ब्लास्ट के तैयार रहेगी।